

(ख) क्या यह भी सच है कि कुछ दोषी व्यक्तियों को पहले से भी अधिग्रहण करने पर नियुक्त कर दिया गया है: और

(ग) जिन अनियमितताओं का जांच समिति में संकेत है, उन्हें रोकने के लिए क्या विश्वविद्यालय ने नीति सम्बन्धी कुछ विशेष निर्णय किये हैं ?

शिक्षा मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली):

(क) और (ग). विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है। [गुस्तकालय में रखा गया, देखिये संख्या एल०-टी-५१५/६३]

(ख) जी नहीं।

Poisoning Cases in Delhi

869. Shri Marandi: Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) the number of the poisoning cases in Delhi from 1st November, 1962 to 20th February, 1963;

(b) the causes thereof;

(c) the number of persons prosecuted in this crime; and

(d) cases still pending?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hajarnavis):
(a) Five.

(b) to (d). All five cases are still under investigation and no one has yet been prosecuted. The apparent causes of these cases are

	cases
(i) For theft	2
(ii) Business rivalry	1
(iii) Financial trouble	1
(iv) Attempted suicide	1

ग्राम उच्च शिक्षा श्रीनिकेतन के विद्यार्थियों की हड़ताल

६७०. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :
श्री सुबोध हंसदा :
श्री प्र० चं० बरुआ :
डा० शरदश राय :
श्री अ० व० राघवन :
श्री दिनेन भट्टाचार्य :
डा० रानेन सेन :
श्री ह० प० चटर्जी :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि श्रीनिकेतन (विश्वभारती) के ग्राम उच्च शिक्षा संस्था के छात्रों ने हड़ताल कर दी है ; और

(ख) हड़ताल का कारण क्या था और उसे दूर करने के लिए क्या कदम उठाये गये हैं ?

शिक्षा मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली) :

(क) जी हाँ।

(ख) हड़ताल का मुख्य कारण यह था कि चार छात्र अपनी लगातार अनुशासनहीनता के फलस्वरूप संस्था से निकाल दिये गये थे। अधिकारियों को विवश हो कर १८ फरवरी, १९६३ से अनिश्चित काल के लिये संस्था को बन्द कर देना पड़ा।

Welfare of S.C. and S.T.

971. Shri Ramchandra Mallick: Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) the amount provided in the Third Five Year Plan period for the welfare of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes people in the country;

(b) the amount spent out of it so far; and

(c) the amount sanctioned out of it so far for the State of Orissa?

The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shrimati Chandrasekhar): (a) Rs. 101.88 crores.

(b) Rs. 29.76 crores.

(c) The Third Five Year Plan provision for Orissa is Rs. 8.32 crores out of which Rs. 2.12 crores have so far been spent.

(The amounts shown against (b) & (c) are provisional as actual expenditure figures relating to the year 1962-63 will be available after the close of the current financial year.)

स्वयंसेवी शिक्षा संगठनों को सहायता

१७२. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि प्राथमिक, माध्यमिक और बुनियादी शिक्षा के क्षेत्र में स्वेच्छा से काम करने वाले संगठनों को केन्द्रीय सरकार अनुदान देती है;

(ख) यदि हां, तो ऐसे संगठनों का चुनाव किस आधार पर किया जाता है;

(ग) वर्ष १९६२-६३ में कितने संगठनों को कितना अनुदान मिला; और

(घ) जिन संगठनों को अनुदान दिया जाता है, उनकी प्रगति की जांच का क्या तरीका है?

शिक्षा मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली):

(क) जी हाँ ।

(ख) राज्य सरकारें सामान्यतया प्राथमिकता के आधार पर आवेदन-पत्रों की सिफारिश करती हैं । परन्तु वित्तीय सहायता पाने के लिए निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाली अखिल भारतीय स्तर की

संस्थाओं और संगठनों के आवेदन-पत्रों पर केन्द्रीय सरकार सीधे भी विचार करती है । समस्त आवेदन-पत्रों की भली भाँति जांच करने के बाद ही योग्यता के आधार पर पात्र संस्थाओं को अनुदान दिए जाते हैं ।

(ग) विवरण सभा पटल पर रखा गया है । [पुस्तकालय में रखा गया, देखिये संख्या [एल० टी० १००७/६३]

(घ) संस्थाओं और संगठनों को प्रायोजनाओं के संबंध में त्रैमासिक रिपोर्ट भेजी जाती है । भारत सरकार की दृष्टि से जब तक प्रायोजना संशोधनक रूप से पूरी नहीं हो जाती, तब तक ऐसी रिपोर्ट बराबर देनी पड़ती है । वित्त वर्ष समाप्त हो जाने के बाद संस्था को, जांच हुए लेखे और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट तथा इस आशय का एक प्रमाण-पत्र, कि राशि जिस प्रयोजन के लिए स्वीकृत की गई थी उसी प्रयोजन के लिए खर्च की गई है, भेजना पड़ता है ।

Foreigners Detained under DIR

973. Shri P. C. Deo Bhanj: Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether any foreign nationals have been detained under the Defence of India Rules for anti-Indian activities;

(b) if so, the total number of foreign nationals so detained; and

(c) their nationalities?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hajarnavis): (a) to (c). Yes; 3 Chinese and 1 British. Of these, the three Chinese nationals have since been released and re-arrested under the Foreigners (Internment) Order, 1962.